सड़कों पर आवारा मवेशियों का डेरा

रात के दौरान दिखता है यह नजारा, मनपा प्रशासन बना मूक

प्रतिनिधि, 23 अप्रैल

अमरावती- स्थानीय महानगर पालिका क्षेत्र की प्रमुख सड़कों पर बीते कुछ दिनों से आवारा मवेशियों ने डेरा जमाना फिर से शुरू किया है. दोपहर में चिलचिलाती धूप में यह मवेशी सड़क पर कम प्रमाण में नजर आते हैं. इसके विपरीत सूरज ढलने के बाद मौसम जब ठंडा होता है, उस दौरान यह मवेशी झुंड के झुंड में सड़कों पर घूमते नजर आते हैं. रात 10 के बाद तो इन आवारा मवेशियों का घर-द्वार शहर की प्रमुख सड़कें बन जाती हैं, ऐसी तस्वीर इन दिनों दिखाई दे रही है. मनपा प्रशासन का संबंधित विभाग भी हाथ पर हाथ धरे बैठा है. सड़क पर डेरा जमाए इन मवेशियों के कारण आए दिन छुट-पुट दुर्घटनाएं हो रही हैं. मनपा प्रशासन का संबंधित विभाग संभवतः किसी बड़ी दुर्घटना के इंतजार में है, ऐसा आरोप शहरवासियों ने लगाया है.जिला अदालत के समक्ष मुख्य मार्ग पर आवारा पशुओं का डेरा रात के दौरान जमा दिखाई दिया. कैम्प परिसर में इस प्रकार के नजारे आम हो गए हैं. ऐसा आरोप इस क्षेत्र के नागरिकों ने लगाया है. शहर के वीआईपी क्षेत्र माने जाने वाले कैम्प परिसर की सड़कें रात के दौरान आवारा मवेशियों से पटी दिखाई देती हैं. यही हाल राजकमल चौक से राजापेठ मार्ग पर दिखाई देता है. विशेष यह है कि रात के दौरान यह मवेशी सड़क पर कुछ इस कदर बेतहाशा होकर भागते हैं, जिससे वाहन चालक भयभीत हो उठते हैं. इस भय के कारण उनका वाहन से कंट्रोल छूटने के कारण कई मर्तबा छुट-पुट दुर्घटनाएं होती हैं. इतनी बड़ी समस्या की ओर प्रशासन की अनदेखी विविध चर्चाओं को जन्म दे रही है. चित्रा चौक से वलगांव मार्ग पर भी इस कदर की तस्वीर दिखाई देती है. इस मार्ग पर अधिकांश हाथगाड़ियों पर फल-फ्रूट, सब्जियां बेची जाती हैं. कहा जाता है कि रात के दौरान यह विक्रेता घर पर जाते समय 'वेस्टेज' सड़क पर ही फेंक देते हैं, जिसे खाने के लिए ये मवेशी सड़क पर ही डटे रहते हैं. इस मार्ग से रात के दौरान बड़े प्रमाण में ट्रकों का आवागमन होता है. साथ ही बड़े वाहनों की भी आवाजाही शुरू रहती है. सड़क पर बैठे इन आवारा मवेशियों के कारण वाहन चालकों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है.

सुअरों व आवारा कुत्तों का आतंक

रात के दौरान शहर की सड़कों पर आवारा कुत्तों का आतंक दिन ब दिन बढ़ता दिखाई दे रहा है. आवारा कुत्ते दुपहिया चालकों के लिए काफी खतरनाक साबित हो रहे हैं. शहर में खासकर पिछड़े क्षेत्रों में सुअरों के मुक्त संचार का प्रमाण बढ़ा है. मनपा प्रशासन की इन समस्याओं की ओर चुप्पी विविध चर्चाओं को जन्म दे रही है.

सड़क पर लगता है जाम

रात के दौरान आवारा मवेशी सड़क के बीच में कुछ इस प्रकार आराम फरमाते दिखाई देते हैं कि जैसे यह सड़क उनका मालिकाना बसेरा होगा. बड़े वाहनों के हॉर्न के कारण ये मवेशी 'बमक' हो उठते हैं. कई बार ऐसा भी देखने को मिला कि हॉर्न बजाते-बजाते चालक थक जाता है. फिर थक-हार कर वाहक वाहन से नीचे उतरकर इन मवेशियों को सड़क से हटाता है. ऐसे में कई बार रात के दौरान सड़कों पर जाम की स्थिति निर्माण हो जाती है.

दिल्ली का नाबालिग बडनेरा में भीख मांगते मिला

10 माह से था लापता

एचवीपीएम की चाइल्ड हेल्पलाइन ने मिलाया परिजनों से

प्रतिनिधि, 23 अप्रैल

अमरावती - स्थानीय एचवीपीएम की चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से शनिवार की दोपहर दिल्ली से विगत 10 माह से लापता 15 वर्षीय गूंगे नाबालिग को उसके माता-पिता से मिला दिया. उस समय अपने बेटे को देख कर पिता व बालक दोनों अपने आंसू रोक नहीं सके. साथ ही जो अधिकारी मौजूद थे, उनकी भी आंखों से आंसू छलक पड़े.बताया जाता है कि विगत 4-5 दिन पहले बडनेरा रेलवे स्टेशन पर कुछ नाबालिग एक नाबालिग की खूब पिटाई कर रहे थे. यह सभी ट्रेनों में भीख मांगने का काम करते, यह देखकर रेलवे स्टेशन पर मौजूद एक व्यक्ति ने उन्हें छुड़ाने का प्रयास किया. तभी अन्य नाबालिग घटनास्थल से भाग गए.

उसी समय उस व्यक्ति ने इस नाबालिग से पूछताछ की, किंतु नाबालिग गूंगा होने के चलते वह कुछ नहीं कह सका. यह देखते ही उस व्यक्ति ने उसे तुरंत बडनेरा पुलिस के हवाले किया. बडनेरा पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए यह जानकारी हव्याप्र मंडल के चाइल्ड हेल्पलाइन के सदस्यों को दी. जानकारी मिलते ही हेल्पलाइन के अजय देशमुख व पंकज शिंगारे दोनों बडनेरा पुलिस थाना पहुंचे और नाबालिग को अपने पास लाया. उस समय नाबालिग के हाथ पर एक मोबाइल नंबर गुदा हुआ था. यह देखते ही अजय देशमुख ने उस नंबर पर फोन लगाया. तब वह नंबर दिल्ली के निवासी कैलाश राज स्वामी का निकला, जो कि बालक के पिता हैं. अपना बेटा सही सलामत मिलते ही कैलाश स्वामी अपने आप को रोक नहीं सके और उसी समय अमरावती की ओर निकल पड़े. अमरावती पहुंचने तक नाबालिग को महिला व बालकल्याण समिति द्वारा रिमांड होम में रखा गया था.

शनिवार की सुबह जब नाबालिग के पिता कैलाश स्वामी महिला व बाल कल्याण अधिकारी कार्यालय पहुंचे और अपने बेटे को देखते ही रोते हुए अपनी खुशी का इजहार करने से नहीं चूके. उस समय मौजूद अधिकारियों की आंखों में भी आंसू टपक पड़े. अधिकारियों ने सारे कागजात व लिखापढ़ी कर नाबालिग को उसके पिता के हवाले किया. इसके पहले भी यह बालक घर से लापता हुआ था. उस समय कुछ माह बाद उसे गुजरात से लाया गया था.

दानपेटी निधि से 51 जोड़ों का मंगल परिणय

धर्मदाय आयुक्त कार्यालय की पहल

8 को मालवीय हॉल में आयोजन

प्रतिनिधि, 23 अप्रैल

अमरावती- अकालग्रस्त क्षेत्र के किसानों, मजदूर, आदिवासी व आर्थिक दुर्बल घटक के 51 जोड़ों का सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया है. धर्मदाय आयुक्त कार्यालय की पहल से 8 मई को स्थानीय तपोवन स्थित मालवीय हॉल में यह सामूहिक विवाह समारोह होगा. धार्मिक संस्थाओं की दानपेटी में हजारों रु. जमा होते हैं. इस निधि से सामाजिक उपक्रम का आयोजन अपेक्षित है. बहुतांश संस्थाओं में दानपेटी में प्राप्त निधि पड़ी रहती है. इस निधि से सामाजिक उपक्रम चलाने के लिए राज्य की सभी धार्मिक संस्थाओं को सर्वधर्मीय सामूहिक विवाह उत्सव के लिए ट्रस्ट स्थापित करने का आदेश धर्मदाय आयुक्त को शिवकुमार डिके ने दिया था. इस आदेश के बाद जिले के धर्मदाय सहआयुक्त एस.एस. राजदेकर, धर्मदाय उपायुक्त राहुल मामू व सहायक आयुक्त तनुजा आसलकर, दीपाली डोईफोड़े के नियंत्रण में समिति का गठन किया गया. इस समिति में शहर के 15 धार्मिक संस्थाओं ने दानपेटी से प्राप्त निधि से सामूहिक विवाह किया जाएगा. आयोजन को लेकर विभाग की ओर से तैयारी की जा रही है.

भावना पसारकर को समाजसेवा गौरव पुरस्कार

प्रतिनिधि, 23 अप्रैल

अमरावती- स्थानीय इर्विन चौक में भारतरत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर जयंती उत्सव मनाया गया. उद्घाटक के रूप में रीना दत्ता व कार्यक्रम अध्यक्ष संजय कुमार पमनानी, स्वागतध्यक्ष प्रदीप जैन, पुलिस आयुक्त दत्तात्रय मंडलिक, राजू नन्नावरे, सुरेखा नन्नावरे उपस्थित थे. विशेष अतिथी के रूप में अर्पणा जोगलेकर, सुदर्शन गांग, डॉ. गोविंद कासट, नितिन भागवत उपस्थित थे. मान्यवरों की उपस्थिति में भावना पसारकर को भारतरत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर समाजसेवा गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया. साथ ही स्मृतिचिन्ह व शाल देकर गौरान्वित किया गया. इस मौके पर गावपांडे, अरुधंती मुंजे, शशीमोहन पसारकर, संजय इंगले, पूनम मडावी व मुकुंद पकडे उपस्थित थे.

बीज जांच में अमरावती संभाग अव्वल

अमरावती - कृषि सहसंचालक कार्यालय के संभागीय गुणनियंत्रण कक्ष ने पिछले साल रासायनिक खाद, कीटनाशकों व बीज के सैम्पल्स की जांच में राज्य में अव्वल स्थान प्राप्त किया है. गुणनियंत्रण कक्ष ने इस बढ़त को बढ़ाए रखते हुए पूरे 3 करोड़ रुपयों के बीज व कीटनाशक दवाइयां जब्त कीं.गुणनियंत्रण कक्ष ने पिछले साल 1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018 के दौरान बीज, खाद व कीटनाशकों के जिला निहाय बुलढाणा से 1685 सैम्पल्स, अकोला से 1216 सैम्पल्स, वाशिम से 0721, अमरावती से 1712 तथा यवतमाल से 1479 सैम्पल्स जांच के लिए हासिल किए. कीटनाशकों के 1162 सैम्पल्स में से 37 सैम्पल्स अप्रमाणित पाये गये. इनमें से 19 मामले न्यायालय में दाखल किए गए. बीजों के कुल 3824 सैम्पल्स में से 106 सैम्पल्स अप्रमाणित पाये गये. इनमें से 100 मामले न्यायालय में दर्ज किये गये. इसके अलावा कीटनाशकों के 499 मामलों में बीज के 335 मामलों व खाद के 61 मामलों में बिक्री बंद के आदेश जारी किये गये. कृषि विभाग के गुणनियंत्रण कक्ष ने पिछले साल बोगस बीज, खाद व कीटनाशकों की जब्ती की मुहिम बड़े प्रमाण पर चलाई. बीज के 4 मामलों में 11.85 लाख रुपयों के 14.23 क्विंटल बीज जब्त किये गये. इस संदर्भ में 10 मामलों में फौजदारी कार्रवाई की गई. 8 मामलों में 36 मैट्रिक टन साथ ही द्रव्य स्वरूप में 3635 लीटर ऐसे कुल 70.56 लाख रुपयों के रासायनिक खाद जब्त किये. इसके साथ ही 9 मामलों में 29,956 लीटर कीटनाशक दवाइयां व 829 किलो पावडर स्वरूप में 2 करोड़ 83 लाख 93 हजार रुपयों के संग्रहण को जब्त किया.

टीम के सफल प्रयास

राज्य के कृषि विभाग के ठाणे, कोल्हापुर, औरंगाबाद, लातूर, नासिक, पुणे व नागपुर संभाग की तुलना में अमरावती संभाग की कार्रवाई अच्छी साबित हुई. संभागीय गुणनियंत्रण कक्ष के तंत्र अधिकारी डॉ. पंकज चेडे, गुणवत्ता निरीक्षक मनोज पाटेकर के नेतृत्व वाली टीम के प्रयास इसके लिए महत्वपूर्ण साबित हुए.

वर्षभर में 3 करोड़ के बीज व कीटनाशक जब्त

बसपा के जिलाध्यक्ष बने अनंता लांजेवार

अमरावती- बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्षा मायावती के आदेशानुसार महाराष्ट्र प्रदेश प्रभारी एड. संदीप ताजणे, उपाध्यक्ष कृष्ण बेले, महासचिव जितेंद्र म्हैसकर, दादाराव उईके, सचिव राजीव बसवनाथे, अभिजीत ढेपे, पश्चिम विदर्भ जोन प्रभारी तथा गुटनेता चेतन पवार, नगरसेवक ऋषि खत्री की प्रमुख उपस्थिति में जिले के अध्यक्ष पद पर अनंता लांजेवार को नियुक्त किया. उनकी नियुक्ति होने पर प्रा. प्रेमचंद मनवर, दीपक पाटिल, रमेश नागदिवे, सुधाकर मोहोड, संदीप कनसे, विनित डोंगरदिवे, शशीकांत मेश्राम, एड. उज्वल सोनोने, नगरसेविका इशरत बानो, माला देवकर, सुगरा भोजा रायलीवाले, सचिन वैद्य, वसंत धंदर, रवि कदम, राजू गादगे, दिनेश अडकणे, विजय मेश्राम, बंटी वाहणे व राजेश चौधरी, राजेश मेश्राम ने अभिनंदन किया है.

ईंधन घोटाले की जांच मई में

मुख्य लेखापरीक्षक के पास वापस लौटी फाइल

प्रतिनिधि, 23 अप्रैल

अमरावती- मनपा के अतिक्रमण विभाग में उजागर हुई लॉगबुक व ईंधन में अनियमितता की जांच अभी भी पूर्ण नहीं हुई है. इस संदर्भ की नस्ती फिलहाल मुख्य लेखापरीक्षक की ओर वापस भेजी जानेवाली है. मई माह के प्रथम सप्ताह में फाइनल जांच अहवाल पहुंचने की संभावना है.

दिसंबर 2017 के तीसरे सप्ताह में अतिक्रमण विभाग के वाहनों के लॉगबुक में अनियमितता पायी गई थी.

इस मामले को अखबारों में प्रकाशित किया था. उसकी दखल लेकर अतिक्रमण निर्मूलन दल के प्रमुख गणेश कुत्तरमारे को 22 दिसंबर 2017 को कारण बताओ नोटिस भेजी गई उनका जवाब मिलने के बाद इस अनियमितता की जांच करने की जिम्मेदारी उपायुक्त महेश देशमुख की ओर सौंपी गई. देशमुख ने इसके संदर्भ में मुख्य लेखापरीक्षक से रिपोर्ट मांगी. इस संदर्भ में मुख्य लेखा परीक्षक ने जनवरी, फरवरी व मार्च 2017 इन तीन माह के ईंधन बिलों की जांच की व उसमें मुख्य लेखापरीक्षक ने अनियमितता दिखाने वाले मामलों को आब्जेक्टिव तौर पर रखा. अतिक्रमण विभाग के पास 2 पोकलैंड, 3 जेसीबी, 2 टिप्पर ट्रक ऐसे कुल 7 वाहनों के लिए ईंधन का खर्च किया है. वाहन लेखा में कई कार्य स्वास्थ्य व स्वच्छता के संदर्भ में दिखाए गये हैं. लेकिन उन वाहनों की स्वच्छता अथवा मांग स्वास्थ्य विभाग ने की है.

ऐसा अभिलेख परीक्षण के दौरान उपलब्ध नहीं कर दिया गया. स्वास्थ्य विभाग की स्वच्छता के संदर्भ के कार्य ठेकेदार के माध्यम से हो रहे हैं. जिससे इन वाहनों को अतिक्रमण हटाने के लिए अल्प समय इस्तेमाल किया दिख रहा है, ऐसी महत्वपूर्ण राय मुख्य लेखापरीक्षक ने दी है. इसके अलावा अन्य गंभीर अनियमितताओं पर उंगली रखी गई है.

पुनरावलोकन करने उपायुक्त के निर्देश

लॉगबुक में अनियमितता व ईंधन के अपहार पर मुख्य लेखापरीक्षक ने आपत्ति जताकर टिप्पणियां की है, लेकिन उपायुक्त महेश देशमुख को यह जांच अहवाल ठीक नहीं लगा. उन्होंने मुख्य लेखापरीक्षक से पुनर्विलोकन करने के निर्देश दिये हैं. फाइल के संभावित सफर के चलते इस रिपोर्ट पर मई माह में ही फाइनल मुहर लगने के संकेत हैं.

विविध कार्यक्रमों के बीच मना सतीश वर्मा का जन्मदिन

मित्र परिवार की ओर से संकटमोचन मंदिर में महाआरती

अमरावती: जन्मदिन की शुभेच्छा देते महेश ऊर्फ पप्पू राठी, मुन्ना सेवक, सीमेश श्राफ व अन्य. तथा वर्मा को केक खिलाते पार्षद सचीन रासने.

प्रतिनिधि, 23 अप्रैल

अमरावती- स्थानीय रविनगर स्थित संकटमोचन हनुमान मंदिर के अध्यक्ष तथा सामाजिक कार्यों में अग्रसर रहने वाले सतीश वर्मा का जन्मदिन मित्र परिवार की ओर से विविध सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों के बीच मनाया गया. इस दौरान वर्मा को शुभेच्छा देने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी थी. सतीश वर्मा के जन्मदिन निमित्त मित्र परिवार की ओर से रविनगर के संकट मोचन मंदिर में सीताराम व पार्षद सचिन रासने की अध्यक्षता में महाआरती की गई. पुजारी नरहरि बिंड के मंत्रोच्चार के बीच पूजन विधि के बाद यह महाआरती की गई. पश्चात मित्र परिवार की ओर से जरूरतमंदों में सामग्री का वितरण किया गया.

इस दौरान महेश उर्फ पप्पू राठी, सिमेश श्रॉफ, मुन्ना सेवक, अविनाश देऊलकर, राजा खारकर, बाल्या लोहारे, अविनाश चुटके, राजेश गोयनका, आनंद सोलंकी, पिंटू शर्मा, नरेश गुप्ता, ओम गुप्ता, दर्शन पन्या, सागर शर्मा, भूपेंद्र प्रयाल, संजय प्रयाल, राजू धनवाड़े, अकोला के राठोड़, मंगेश राऊत, वैभव परांजपे, मंगेश कलस्कर, योगेश कथले, गोपाल ठोसर, डॉ. नंदकिशोर भुतड़ा, विनोद खोडसाम, दीपक बिजवार, संजय भेंडे, दिलीप इटनकर, गजानन आसरे, नितिन शेरेकर, अजित भोयर, स्वप्निल डहाके, विनोद आमगांवकर, अशोक टोम्पे, अविनाश राऊत, शिव बेले, यश जयस्वाल, यश वानखड़े, चेतन वाटनकर, सौरभ वर्मा, श्याम गुप्ता, दीपक शर्मा, कन्हैया असनानी, अनिल राईकवार, सरोज वर्मा, पूजा राठी, संगीता रासने, ज्योत्सना आमगांवकर, प्राजक्ता राऊत, ममता राईकवार, पदमा धवाड़े, मानसी परांजपे, रेणुका कथले, चंद्रा ठोसर आदि उपस्थित थे.

स्कूलों में मोबाइल इस्तेमाल पर प्रतिबंध शिथिल

अमरावती- सूचना एवं तकनीक का प्रभाव शिक्षा क्षेत्र में भी दिखाई दे रहा है. विषयानुरूप विस्तृत जानकारी इस तकनीक के माध्यम से शिक्षकों को प्राप्त होने पर उसका लाभ विद्यार्थियों को होने से अब शाला परिसर, कक्षा में अध्यापन के लिए शिक्षकों को मोबाइल फोन के उपयोग पर लगाया गया प्रतिबंध सरकार ने शिथिल कर दिया है. 18 फरवरी 2009 के सरकारी निर्णय के तहत राज्य की सभी शालाओं में मुख्याध्यापक, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी और विद्यार्थियों को शाला के परिसर, कक्षा में मोबाइल बंदी लागू कर दी गई थी. अब यह प्रतिबंध शिथिल

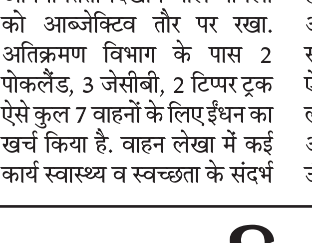

कर दिया गया है. सरकार ने गत एक वर्ष से कक्षा के अनुसार पाठ्यक्रम बदलना शुरू किया है. इस बार कक्षा 8वीं एवं 10वीं की किताबें बदली गईं. कृति युक्त स्वयं अध्ययन पर अधिक जोर दिया जा रहा है. बदले गए पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षकों को विविध नई तकनीक से जुड़े रहना होगा. सभी कक्षा की सभी विषयों की किताबों में 'क्यूआर कोड' शामिल किया गया है.

पोटे इंटरनेशल स्कूल में छात्र व पालकों के लिए कार्यशाला

प्रतिनिधि, 21 अप्रैल

अमरावती- पीआर पोटे पाटिल इंटरनेशनल स्कूल में सुदृढ शरीर व संतुलित आहार इस विषय पर शाला के छात्र व पालकों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई. डॉ. अविनाश सावजी की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में संचालिका मंजुला नायर उपस्थित थीं. डॉ. सावजी ने तंदुरूस्त रहने के लिए व्यायाम, योगा, सूर्यनमस्कार आदि के साथ खानपान, नियंत्रित आहार के साथ हरी सब्जियां खाने पर जोर दिया. उन्होंने बताया कि भोजन करते

समय हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रखना बहुत जरूरी है. खाना खते समय बच्चों ने जिद्द नहीं करना चाहिए. इस समय अभिभावकों को भी बच्चों की पसंद-नापसंद पर ध्यान देने की बात कही. कार्यशाला का संचालन मोहिनी दांडगे व भावना सरोदे ने किया. कार्यशाला में छात्र, पालक व शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे.

सूचना

प्रतिदिन अखबार के पाठकों को सूचित किया जाता है कि वे इस अखबार में प्रकाशित होने वाले विज्ञापनों व लेखों में उल्लेखित उत्पादनों की गुणवत्ता जाँच-पड़ताल करने के बाद ही उसे खरीदने आदि के संबंध में निर्णय लें व आर्थिक व्यवहार करें. अपने उत्पाद अथवा सेवा के संदर्भ में विज्ञापनदाता जो दावे पेश करते हैं, प्रतिदिन अखबार उसकी कोई गारंटी नहीं देता. कृपया नोट करें कि विज्ञापित उत्पादों में किए गए दावों की पूर्ति यदि विज्ञापनदाता (उत्पादक) अथवा संबंधित नहीं करते तो उसके परिणामों के लिए प्रतिदिन अखबार के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक व मालिक जिम्मेदार नहीं होंग

व्यवस्थापक

4 माह में 62 रिश्वतखोर फंसे जाल में

एसीबी विभाग की कार्रवाई, जनजागृति मुहिम से बढ़ीं शिकायतें

प्रतिनिधि, 23 अप्रैल

अमरावती- सरकारी सेवा में भ्रष्ट प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए एंटीकरप्शन विभाग की ओर से नागरिकों में व्यापक प्रमाण में जनजागृति मुहिम चलाई गई. इस मुहिम का सकारात्मक परिणाम सामने आया है. रिश्वतखोर जनसेवकों के खिलाफ शिकायतें बढ़ी हैं. चार माह की कालावधि में 40 स्थानों पर जाल बिछाकर 62 रिश्वतखोरों को एसीबी ने गिरफ्तार किया है. इसमें 11 निजी व्यक्तियों का समावेश है. रिश्वत देना व लेना दोनों अपराध है, ऐसा रहने के बावजूद सरकारी कार्यालयों में अपने काम के लिए गये नागरिकों से भ्रष्ट प्रवृत्ति के कुछ जनसेवकों द्वारा रिश्वत मांगी जाती है. अपना काम करवाने के लिए कुछ नागरिक रिश्वत देकर काम करवाते हैं, जिसके चलते एसीबी विभाग की ओर से नागरिकों में रिश्वतखोरी के खिलाफ जनजागृति की जा रही है. रिश्वत मांगने वाले जनसेवकों के खिलाफ शिकायतें दाखिल करने का आह्वान किया गया.

शिकायत दाखिल करने वालों के नाम गुप्त रखे जा रहे हैं. इसका परिणाम सामने दिखाई दे रहा है. रिश्वत मांगने वाले जनसेवकों के खिलाफ शिकायतें बढ़ी हैं.

इस बार 4 माह की कालावधि में रिश्वत के मामले में 40 सफल जाल एसीबी ने बिछाए. भ्रष्टाचार निर्मूलन की दृष्टि से यह एक सुखद चित्र है. गत वर्ष 2017 में एसीबी विभाग की ओर से संभाग में जाल बिछाकर जनसेवक व निजी व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया. जिसमें अमरावती से 5, अकोला 2, यवतमाल 3, बुलढाणा 6 व वाशिम में 5 का समावेश था. 2017 की तुलना में 2018 में मात्र 4 माह की कालावधि में 40 सफल कार्रवाई करते हुए विभाग ने 62 रिश्वतखोरों को गिरफ्तार किया है. इसमें 51 जनसेवक व 11 निजी व्यक्तिओं का समावेश है. कार्रवाई के विषय में कहें तो अमरावती में 9, अकोला 8, यवतमाल 6, बुलढाणा 10 व वाशिम में 7 सफल कार्रवाई हुईं. एंटीकरप्शन विभाग के अधीक्षक पद की जिम्मेदारी श्रीकांत धिवरे ने संभालने के बाद सफल कार्रवाई का प्रमाण बढ़ा है. उक्त संख्या यह बयां कर रही है.

पुलिस विभाग अव्वल

एन्टीकरप्शन विभाग की ओर से रिश्वतखोरी के खिलाफ की गई कार्रवाई में सर्वाधिक मामले पुलिस विभाग के हैं. पुलिस विभाग के 10, राजस्व 4, ग्रामविकास 3, आदिवासी विकास 2, कृषि 2, महावितरण 3, महापालिका 2, जिला परिषद 3,पंचायत समिति 2, समाज कल्याण 1, सिंचाई विभाग 1, नगर पालिका 1, नगर विकास 1, वित्त व लेखाविभाग 1 तथा पशु संवर्धन विभाग में 1 रिश्वतखोरी के मामले में सफल कार्रवाई की गई.

सुरक्षा रक्षकों को वेतन दें

प्रतिनिधि, 23 अप्रैल

अमरावती-महाराष्ट्र राज्य ठेका कर्मचारी महासंघ की ओर से अमरावती जिला सुरक्षा मंडल के कामगार आयुक्त को ग्रामीण विभाग सुरक्षा रक्षकों ने महावितरण द्वारा वेतन न देने की शिकायत कर निवदेन सौंपा. दिसबंर 2017 से मार्च 2018 तक कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है. जिससे उनके परिवार को भूखे मरने की नौबत आन पड़ी है. इस हेतु आवेदन पर गंभीरता से विचार कर सुरक्षा रक्षकों की सेवा का वेतन जल्द से जल्द देने तथा हर माह की 5 तारीख के पूर्व करने की मांग की.